four public sector general insurance companies will result in huge advantages to the public sector and it will help the Government to invest more in social sector due to increased mobilization of people's savings and providing employment to the unemployed youths.

Therefore, I urge upon the Government to take effective steps for the merger of the four public sector general insurance companies in the national interest. Thank you.

DR. E.M. SUDARSANA NATCHIAPPAN (Tamil Nadu): Sir, I associate myself with this issue.

SHRI RUDRA NARAYAN PANY (Orissa): Sir, I also associate myself with the issue.

Need to set standards for the sign language for deaf in India

श्री जय प्रकाश अग्रवाल (राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली): महोदय, इस समय देश में लगभग 7 मिलियन बहरे लोग हैं, जिनमें से कुछ एक कान से नहीं सुन पाते, तो कुछ दोनों कानों से। इन बधिरों के लिए अब एक भारतीय चिह्न भाषा नहीं बनाई गयी है, जिस कारण ये बधिर अपने आपको समाज से अलग महसूस करते हैं, इसलिए आवश्यकता इस बात की है कि देश में एक भारतीय चिह्न भाषा होनी चाहिए, जिससे बधिर समाज से अपने आपको अलग महसूस न करें।

यह सत्य है कि भारतीय चिह्न भाषा एक सम्पूर्ण और अविभाजित भाषा है और इसके अपने चिह्न एवं व्याकरण है एवं यह मुख्यत: बधिरों के लिए ही है। विगत कई वर्षों से यह प्लान सरकार के विचाराधीन है, किन्तु अब तक इसको अन्तिम रूप नहीं दिया गया है।

अमरीका, इंगलैंड, ऑस्ट्रेलिया, मलेशिया, सिंगापुर, अर्जेंटीना, बैल्जियम इत्यादि देशों में इन भाषाओं को मान्यता मिल चुकी है, इसलिए केन्द्र सरकार को चाहिए कि वह देश के कई मिलियन नागरिकों के कल्याण हेतु उक्त प्लान को अंतिम रूप देकर बधिरों को राहत दिलाए, जिससे बधिर लोग अपने को समाज से अलग महसूस न कर सकें।

मेरा सदन के माध्यम से सरकार से अनुरोध है कि वह बधिरों के हित में एक भारतीय चिह्न भाषा को शीघ्र अंतिम रूप प्रदान करने का कष्ट करें।

Need to promote Sanskrit language and upgrade Sampurnanand Sanskrit University to a Central University

श्री कलराज मिश्र (उत्तर प्रदेश): महोदय, संस्कृत भाषा सरकार की उपेक्षा के कारण इतिहास का हिस्सा बनती जा रही है। देश की सभ्यता, संस्कृति, संस्कार, रीति-रिवाज और ज्ञान को अपने में समेटे यह भाषा विलुप्त होने के कगार पर पहुंच गयी है। रोजगार और रोटी के विपुल साधन उपलब्ध न करा पाने की वजह से नौजवान इस के अध्ययन से विमुख हो रहा है। विदेशों में अपनी पहचान बना रही भाषा अपने ही देश में बेगानी हो गयी है।

पूरे देश में संस्कृत शिक्षा की तरफ छात्रों के घटते रुझान से आज देश में संस्कृत शिक्षा बदहाली के दौर से गुजर रही है। संस्कृत भाषा के अध्ययन के लिए नेपाल, भूटान, तिब्बत, मॉरीशस सहित कई देशों के विद्यार्थी आ रहे हैं, किंतु हमारे देश में विद्यार्थियों के अभाव में कई संस्थानों को इस की पढ़ाई बंद करनी पड़ी है। संस्कृत भाषा के प्रचार-प्रसार में लगा संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय आज बजट के अभाव में घाटे में चल रहा है और केन्द्रीय विश्वविद्यालय का दर्जा पाने की बाट जोह रहा है। दिल्ली के करीब 28 कालेजों में संस्कृत ऑनर्स की पढ़ाई होती है। इस वर्ष 17 कालेजों में सीटें नहीं भरी जा सकीं, कहीं-कहीं तो आधी से भी कम सीटें भरी हैं। ऑनर्स के अलावा बी॰ए॰ प्रोग्राम में संस्कृत विषय कई कालेजों में अघोषित रूप से बंद हो गए हैं। आज आवश्यकता है इस ओर विशेष ध्यान देकर इसे रोजगार के लिहाज से कंप्यूटर, योग, आयुर्वेद और वास्तुशास्त्र से जोड़ने की। महोदय, देश की अस्मिता और संस्कृति से जुड़े इस गंभीर विषय पर चिंता किए जाने की आवश्यकता है। अत: मैं सदन के माध्यम से सरकार से मांग करता हूं कि संस्कृत शिक्षा में व्यापक सुधार हो, इसे रोजगारपरक बनाया जाए और संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय को केन्द्रीय विश्वविद्यालय का दर्जा दिया जाए।

श्री श्रीगोपाल व्यास (छत्तीसगढ़): महोदय, मैं स्वयं को इस विशेष उल्लेख से संबद्ध करता हूं।

श्री रुद्रनारायण पाणि (उड़ीसा): मैं भी स्वयं को संबद्ध करता हूं।

श्री भागीरथी माझी (उड़ीसा): मैं भी स्वयं को संबद्ध करता हूं।

SHRIMATI JAYA BACHCHAN (Uttar Pradesh): Sir, I also associate myself with this Special Mention.

SHRI SHARAD ANANTRAO JOSHI (Maharashtra): Sir, I also associate myself with it.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: The whole House associates itself with it.

The House is adjourned to meet at 2.00 p.m.

The House then adjourned at forty-six minutes past twelve of the clock.

The House reassembled after lunch at two of the clock, MR. DEPUTY CHAIRMAN in the Chair.

Re. Clashes in Kolkata

श्री दिनेश त्रिवेदी (पश्चिमी बंगाल): सर, कोलकाता जल रहा है, माइनोरिटी पर गोली चलाई जा रही है। ...**(व्यवधान)**... सर, कोलकाता में आर्मी बुलाई जा रही है। होम मिनिस्टर साहब को इसी वक्त यहां आकर जानकारी देनी चाहिए। ...**(व्यवधान)**... कोलकाता जल रहा है। किसी का परिवार वहां सुरक्षित नहीं है। ...**(व्यवधान)**... माइनोरिटी पर गोली चलाई जा रही है। ...**(व्यवधान)**... हमारा परिवार सुरक्षित नहीं है। ...**(व्यवधान)**...

श्री उपसभापति: ठीक है, इस पर कल डिसकस कर रहे हैं। ...**(व्यवधान)**...

श्री दिनेश त्रिवेदी: सर, होम मिनिस्टर साहब को बुलवाइए। ...**(व्यवधान)**... The Home Minister must come and tell us now. (*Interruptions*) Government must react. Please, watch it on television. (*Interruptions*)

श्री एस॰ एस॰ अहलुवालिया (झारखंड): सर, पश्चिमी बंगाल के एक मजदूर समुदाय ने प्रोसेशन निकाला है। उस प्रोसेशन के ऊपर गोली चल रही है और यह कोलकाता में, कैपिटल में हो रहा है। ...**(व्यवधान)**...

श्री दिनेश त्रिवेदी: सर, मुसलमान के ऊपर गोली चलाई जा रही है। आज ऑल इंडिया माइनोरिटी फोरम जो सड़क पर निकला है, उस पर पुलिस ने ...**(व्यवधान)**... सर, टेलीविजन पर दिखाया जा रहा है। ...**(व्यवधान)**... होम मिनिस्टर आकर बताएं, कुछ बयान दें। ...**(व्यवधान)**... आर्मी बुलाई गई है। कोलकाता जल रहा है। कोलकाता में कोई सुरक्षित नहीं है। ...**(व्यवधान)**... बंगाल जल रहा है। ...**(व्यवधान)**...

श्री उपसभापति: ठीक है, आपने अपना पाइंट रख दिया है। ...**(व्यवधान)**...

श्री एस॰ एस॰ अहलुवालिया: सर, जो कुछ टेलीविजन पर दिखाया जा रहा है, क्या वह सत्य है? जब पार्लियामेंट चल रही है, तो गवर्नमेंट को स्वत: आकर ही संसद को बताना चाहिए कि वहां पर क्या हो रहा है? ...**(व्यवधान)**...

श्री दिनेश त्रिवेदी: सर, होम मिनिस्टर यहां आएं और बयान दें कि वहां पर क्या हो रहा है? ...**(व्यवधान)**...

श्री एस॰ एस॰ अहलुवालिया: सर, गृह मंत्री को स्वत: यहां आकर बताना चाहिए। ...**(व्यवधान)**...

श्री दिनेश त्रिवेदी: सर, हमारा, कोई किसी का भी परिवार वहां सुरक्षित नहीं है। माइनोरिटी पर गोली बरसाई जा रही है। यह आज अभी टेलीविजन पर दिखा रहे हैं। इसे पूरा देश देख रहा है। संसद चुप नहीं रह सकती है। ...**(व्यवधान)**...

श्री उपसभापति: आपने जो कहना था, वह कह लिया। अब देखिए, ...**(व्यवधान)**...